दीनदयाल पत्तन (पोर्ट) पर कंटेनर टर्मिनल परियोजना

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में **दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण (Deendayal Port Authority) और दुबई स्थित बहुराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी (DP) वर्ल्ड** ने गुजरात के ट्यूना टेकरा में **मेगा कंटेनर टर्मिनल प्रोजेक्ट** के लिये समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह पहल **भारत के पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) द्वारा शुरू की गई थी।**

- पत्तन क्षमता बढ़ाने, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स और वैश्विक कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण कदम का प्रतीक है।

कंटेनर टर्मिनल की मुख्य विशेषताएँ:

- टर्मिनल तैयार हो जाने पर इसकी **वार्षिक मालवहन क्षमता 21.90 लाख** TEUs, **बीस फुट लंबाई वाले कंटेनर (Twenty-foot Equivalent Units) जितनी हो जाएगी** और नई पीढ़ी के 18,000 TEUs से अधिक कंटेनर ढुलाई करने वाले जलपोत भी माल का लदान-उतरान कर सकेंगे।
- **मेगा कंटेनर टर्मिनल परियोजना पूरी तरह से** ग्रीन पत्तन दिशा-निर्देशों **के अनुरूप है।**
- **यह टर्मिनल उत्तरी, पश्चिमी और मध्य भारत को वैश्विक बाज़ार से जोड़ेगा।**
- यह परियोजना वर्ष 2047 तक पत्तन संचालन क्षमता को चौगुना करने की भारत की परिकल्पना के अनुरूप है।
- यह टर्मिनल PM गति शक्ति के पूरक राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन का हिस्सा होगा।
- कंटेनर टर्मिनल के निर्माण से **कच्छ के आर्थिक परिदृश्य** में बदलाव आने की उम्मीद है जिसमें वेयरहाउसिंग आदि जैसी कई सहायक सेवाओं का निर्माण होगा और इसके परिणामस्वरूप प्रत्यक्ष और **अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर** भी सृजित होंगे।

दीनदयाल पत्तन की मुख्य बातें:

- दीनदयाल पत्तन जिसे कांडला पत्तन के नाम से भी जाना जाता है**भारत के बारह प्रमुख पत्तनों** में से एक है और **भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात राज्य में कच्छ की खाड़ी** में स्थित है।
- दीनदयाल पत्तन मुख्य रूप से उत्तरी भारत के लिये उपयोगी है जिसमें स्थल सीमित/भूमि से घिरे जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्य शामिल हैं।
- दीनदयाल पत्तन की शुरुआत वर्ष 1931 में **महाराव खेंगारजी द्वारा RCC पोतघाट के निर्माण** के साथ शुरू हुई। 1947 में भारत की आज़ादी के बाद **दीनदयाल पत्तन वर्ष 2007-08 में भारत का सर्वश्रेष्ठ पत्तन बनकर उभरा और तब से अब तक निरंतर यानी 14वें वर्ष भी इसने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।**
- वर्ष 2016 में दीनदयाल पत्तन ने एक वर्ष में 100 MMT कार्गो प्रबंधित कर इतिहास रचा, साथ ही यह मील का पत्थर हासिल करने वाला पहला प्रमुख पत्तन बना।
- माल ढुलाई की मात्रा के हिसाब से यह भारत का सबसे बड़ा पत्तन है।

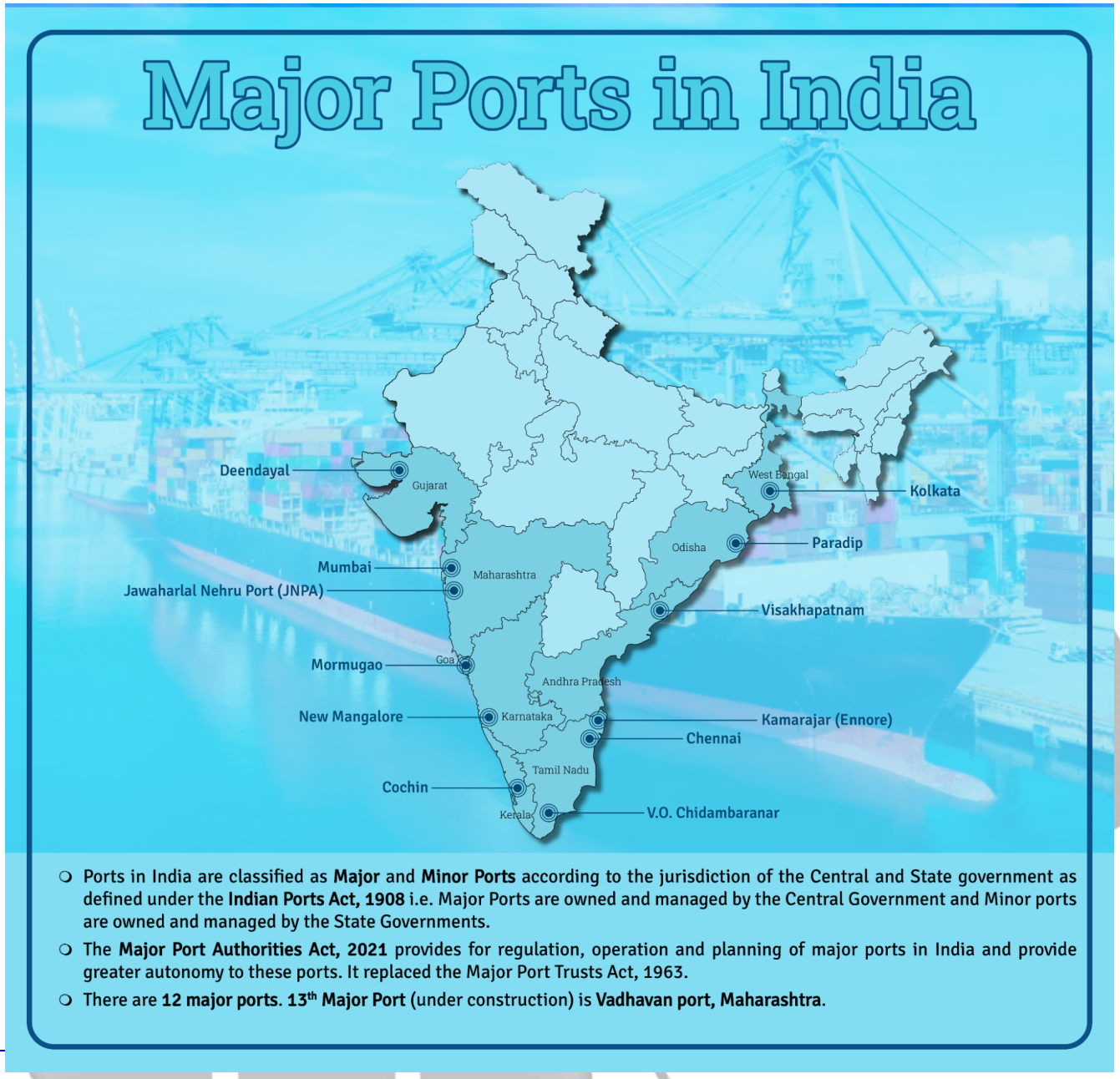

//

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2023)

पत्तन (पोर्ट)	जिस रूप से सुविख्यात है
1. कामराजर पोर्ट	भारत में एक कंपनी के रूप में पंजीकृत पहला प्रमुख पत्तन
2. मुंद्रा पोर्ट	भारत में निजी स्वामित्व वाला सबसे बड़ा पत्तन
3. विशाखापत्तनम पोर्ट	भारत में सबसे बड़ा आधान पत्तन (कंटेनर पोर्ट)

उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक युग्म
(b) केवल दो युग्म
(c) तीनों युग्म
(d) कोई भी नहीं

व्याख्या: (b)

- कामराजर पत्तन, जिसे पहले एन्नोर पत्तन के नाम से जाना जाता था, एक कंपनी के रूप में पंजीकृत भारत का पहला प्रमुख बंदरगाह है और यह भारत का एकमात्र निगमित प्रमुख पत्तन है। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
  - मार्च 1999 में इसे भारत का 12वाँ प्रमुख पत्तन घोषित किया गया और अक्तूबर 1999 में कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत एन्नोर पोर्ट लिमिटेड के रूप में शामिल किया गया।
  - यह तमिलनाडु के चेन्नई पत्तन से लगभग 24 कि.मी. उत्तर में कोरोमंडल तट पर स्थित है।
- मुंद्रा पत्तन भारत का सबसे बड़ा वाणिज्यिक पत्तन है जो गुजरात के कच्छ ज़िले के मुंद्रा के पास कच्छ की खाड़ी के उत्तरी तट पर स्थित है। इसका स्वामित्व और संचालन अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (APSEZ) द्वारा किया जाता, जो कि अडानी समूह का हिस्सा है।
  - इसकी स्थापना वर्ष 1998 में एक निजी क्षेत्र के पत्तन के रूप में की गई थी और यह अक्तूबर 2001 में शुरू हो गया। यहाँ विभिन्न प्रकार के कार्गो जैसे- कंटेनर, बल्क, ब्रेक-बल्क, तरल, रसायन, ऑटोमोबाइल इत्यादि को प्रबंधित किया जाता है।**अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- **भारत के पूर्वी तट पर आंध्र प्रदेश में स्थित विशाखापत्तनम पत्तन भारत का सबसे बड़ा कंटेनर पत्तन नहीं** है। यह भारत के सबसे पुराने तथा सबसे बड़े प्रमुख बंदरगाहों में से एक है, जो विभिन्न प्रकार के कार्गो जैसे- लौह अयस्क, कोयला, पेट्रोलियम उत्पाद, उर्वरक, कंटेनर इत्यादि को प्रबंधित करता है।
  - भारत में **सबसे बड़ा कंटेनर पत्तन जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट** है, यह महाराष्ट्र में मुंबई के पास स्थित है। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**

प्रश्न. भारत में पत्तनों को प्रमुख और गैर-प्रमुख पत्तनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। निम्नलिखित में से कौन-सा एक गैर प्रमुख पत्तन है? (2009)

(a) कोच्चि (कोचीन)
(b) दहेज
(c) पारादीप
(d) न्यू मैंगलोर

उत्तर: (b)